मंगलवार
05 सितम्बर 2023

पृष्ठ 4

क्या आप भी करते हैं सोशल मीडिया का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल?

पृष्ठ 5

सालार में होगा यश का धांसू कैमियो

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 208
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

हजार योद्धाओं पर विजय पाना आसान है, लेकिन जो अपने ऊपर विजय पाता है वही सच्चा विजयी है।

– गौतम बुद्ध

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

इंडिया नहीं भारत

❑सरकार देश का नाम बदलने की तैयारी में

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार अपने देश का नाम बदलने की तैयारी कर रही है। सरकार द्वारा जी-20 सम्मेलन में जो राजधानी दिल्ली में आयोजित होने जा रहा है उसके लिए राष्ट्रपति ने जो न्योता भेजा गया है उससे इस बात के संकेत मिले हैं। जिसमें पहली बार प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखा गया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार देश की वर्तमान मोदी सरकार देश के संविधान में इस्तेमाल किए गए इंडिया शब्द को हटाना चाहती है जिसके पीछे तर्क दिया जा रहा है कि इंडिया गुलामी का प्रतीक है और मोदी सरकार लंबे समय से गुलामी की मानसिकता से देश और देशवासियों को मुक्त करने की बात करती आई है। अब संविधान से इंडिया शब्द को हटाने के लिए केंद्र सरकार 18 सितंबर से बुलाए गए विशेष संसद सत्र में इसका प्रस्ताव ला सकती है।

❑संसद सत्र में लाया जा सकता है प्रस्ताव
❑राष्ट्रपति के निमंत्रण पत्र से मिले संकेत

खास बात यह है कि विपक्षी दलों ने जब से अपने गठबंधन का नाम इंडिया रखा है तब से इस इंडिया शब्द को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में वाक युद्ध छिड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी भी इंडिया नाम को लेकर यहां तक कह चुके हैं कि इंडिया नाम लिखने से कुछ नहीं होता इंडियन मुजाहिदीन में भी इंडिया आता है। देश का नाम बदलने के मुद्दे पर अब एक बार फिर राजनीति में उबाल आना तय है।

नेताओं ने इस पर बयान बाजियां शुरू कर दी हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस पर हर्ष जताते हुए कहा है कि केंद्र सरकार की यह एक स्वागत पहल है और इससे भारत और राष्ट्रीयता की भावना को मजबूती मिलेगी। वहीं विपक्ष के नेताओं का कहना है कि इंडिया भी हमारा है और भारत भी हमारा है कोई हमसे कुछ नहीं छीन पाएगा।

राज्य को 23 साल में भी नहीं मिला स्थाई विधानसभा भवन

❑कब तक सत्र के दौरान रोका जाता रहेगा हाईवे

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की विधानसभा का सत्र जब भी आहुत किया जाता है राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैरिकेडिंग कर सुरक्षा के मद्देनजर आम लोगों और वाहनों की आवाजाही को रोक दिया जाता है। मुख्य मार्ग के बाधित होने के कारण हर बार रूट डायवर्ट किया जाने से लोगों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है लेकिन इसका कोई स्थाई समाधान सूबे की सरकारों द्वारा 22 साल में भी नहीं किया जा सका है। जबकि सत्ता में बैठे नेताओं द्वारा विकास के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं लेकिन वह राज्य गठन के 23 साल बाद भी राज्य को एक स्थाई राजधानी व विधानसभा भवन तक नहीं दे सके हैं।

हर विधानसभा सत्र के दौरान आम आदमी की यह परेशानियां किसी भी नेता या अधिकारी को नजर नहीं आती है। नवंबर 2000 में जब उत्तराखंड राज्य का गठन किया गया था तब दून को राज्य की अस्थाई राजधानी के तौर पर अस्तित्व में लाया गया था। राजधानी दून

❑आम आदमी को आवागमन में होती है भारी दिक्कतें

से राजकाज चलाने के लिए रिस्पना पुल के पास बिंदाल नदी के प्रवाह क्षेत्र में विधान भवन का निर्माण कर दिया गया तब से लेकर अब तक राज्य की स्थाई राजधानी के नाम पर सिर्फ सियासत ही हावी रही है। 2016 में कांग्रेस ने गैरसैंण को राजधानी बनाने के नाम पर भूमि पूजन किया। विधान भवन भी बन गया मगर स्थाई राजधानी पर फैसला अभी तक भी नहीं हो सका है। भाजपा की पूर्ववर्ती त्रिवेंद्र सरकार द्वारा गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी तो घोषित किया गया मगर सरकार व अधिकारी यहां सिर्फ औपचारिक सत्र का आयोजन करते हैं। वहीं रायपुर विधानसभा क्षेत्र में भी नए विधान भवन के लिए भूमि चिन्हित

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

400 नई ई-बसों को एलजी सक्सेना और सीएम केजरीवाल ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मंगलवार को 400 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। 400 ई-बसें शामिल करने पर दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि यह जी20 से ठीक पहले है। यह एक बहुत बड़ा आयोजन है। हमें दिल्ली को एक स्वच्छ और सुंदर शहर के रूप में पेश करना है इसलिए 400 इलेक्ट्रिक बसों को शामिल किया हैं। इसके साथ दिल्ली में 800 इलेक्ट्रिक बसें होंगी, जो देश में सबसे अधिक है। 2023 समाप्त होने से पहले 1,000 और बसें जोड़ने का लक्ष्य है। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने सोमवार को आईपी डिपो में जाकर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया।

गहलोत ने 'एक्स' पर कहा कि केजरीवाल सरकार ने निवासियों को 400 नई और आधुनिक ई-बसों का तोहफा दी। नयी इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत से पहले आईपी डिपो जाकर जुड़ी तैयारियों का जायजा लिया। दिल्ली वासियों को इसके लिए बधाई देता हूं।

जी-20 के निमंत्रण पत्र पर लिखा 'दि प्रेसीडेंट ऑफ भारत' भड़का विपक्ष

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन की तरफ से जी20 के निमंत्रण पत्र में प्रेसीडेंट ऑफ भारत लिखने पर राजनीति तेज हो गई है। विपक्ष ने देश का नाम बदलने की कोशिश का आरोप लगाते हुए मोदी सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा है कि राष्ट्रपति भवन ने 9 सितम्बर को जी20 डिनर के लिए भेजे गए निमंत्रण पत्र में प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया के बजाय प्रेसीडेंट ऑफ भारत लिखा है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने लिखा, ष्अब संविधान का अनुच्छेद 1 पढ़ा जा सकेगा कि भारत, जो इंडिया था, राज्यों का एक संघ होगा। अब इस राज्यों के संघ पर भी हमला हो रहा है। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, मोदी इतिहास

को विकृत करना और इंडिया, जो कि भारत है, जो राज्यों का संघ है को विभाजित करना जारी रख सकते हैं, लेकिन हम विचलित नहीं होंगे।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, अगर किसी पार्टी का गठबंधन इंडिया बन जाता है तो वे (बीजेपी) देश का नाम बदल देंगे? देश 140 करोड़ लोगों का है, किसी एक पार्टी का नहीं। अगर कल इंडिया गठबंधन का नाम बदलकर भारत रख लिया जाता तो क्या वे (बीजेपी) भारत का नाम भी बदल देंगे?

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने निमंत्रण पत्र पर प्रेसीडेंट ऑफ भारत लिखने पर कहा, आज तो उन्होंने(बीजेपी) इंडिया का नाम बदल दिया। राष्ट्रपति ने ज20 शिखर सम्मेलन रात्रिभोज के लिए जो निमंत्रण भेजा है, उसमें भारत लिखा है। अंग्रेजी में हम इंडिया और इंडियन कॉन्स्टिट्यूशन कहते हैं और हिंदी में भारत का संविधान कहते हैं। इसमें नया क्या है? इंडिया नाम तो दुनिया जानती है। अचानक ऐसा क्या हुआ कि उन्हें देश का नाम बदलना पड़ा?

दून वैली मेल

संपादकीय

प्रीतम की विश्वसनीयता पर मोहर

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बीते कल अपनी केंद्रीय चुनाव समिति की घोषणा कर दी गई है। यह खबर उत्तराखंड के लिए इसलिए विशेष खबर है क्योंकि इस 16 सदस्यीय चुनाव समिति में अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी ने सूबे के कांग्रेसी नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह को भी स्थान दिया गया है। यह खबर इसलिए और भी विशेष महत्व की हो जाती है क्योंकि बीते एक डेढ़ साल से प्रीतम सिंह के कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने की खबरें सुर्खियों में रही हैं और प्रीतम सिंह को कई बार मीडिया को यह सफाई देनी पड़ी है कि उनके बारे में इस तरह की भ्रामक खबरें फैलाने का काम किया जा रहा है, वह जन्मजात कांग्रेसी हैं और कांग्रेसी ही रहेंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उन्हें जिस केंद्रीय चुनाव समिति का सदस्य बनाया है वह कितनी महत्वपूर्ण जिम्मेवारी है इस बात को इससे भी समझा जा सकता है कि इस समिति द्वारा ही विधानसभा और लोकसभा प्रत्याशियों के चयन पर अंतिम फैसला लेने का अधिकार होता है। बिना इस समिति की मंजूरी के किसी भी उम्मीदवार को टिकट नहीं मिल सकता है। इस विषय में जो सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस समिति में पार्टी के ईमानदार तथा निष्पक्ष और पार्टी हितों के लिए समर्पित नेताओं को ही स्थान दिया जाता है। भले ही प्रदेश के अन्य तमाम नेता प्रीतम सिंह के बारे में किसी भी तरह की अवधारणा रखते हो लेकिन पार्टी हाई कमान की नजरों में उनकी जो विश्वसनीयता और बेदाग छवि है उसका ही नतीजा और प्रमाण है कि उन्हें इस समिति में शामिल किया गया है। कांग्रेस जो लंबे समय से अंतर्कलह का शिकार है तथा प्रदेश कांग्रेस के अधिकांश नेता जिस तरह से एक दूसरे की छवि खराब करने और उन्हें राजनीतिक के हाशिए पर धकेलने का प्रयास करते रहे हैं वह किसी से भी छिपा नहीं है। प्रीतम सिंह भले ही इस कुर्ता घसीटन से दूर रहने के प्रयास करते रहे हो लेकिन कांग्रेस के नेताओं ने उनके साथ भी कोई कोर कसर उठाकर नहीं रखी गई है। उनसे प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी का छीना जाना और उन्हें नेता प्रतिपक्ष न बनने देने में ऐसे ही कांग्रेसी नेताओं ने अहम भूमिका निभाई है जो उनके पार्टी छोड़ने की खबरों को हवा देते रहे हैं। इन तमाम बातों से भले ही प्रीतम कितने भी आहत हुए हो लेकिन उन्होंने धैर्य और साहस के साथ ऐसे लोगों का न सिर्फ मुकाबला किया है बल्कि समय-समय पर उन्हें खूब खरी खोटी भी सुनाई है। पूर्व सीएम हरीश रावत और वर्तमान प्रदेश प्रभारी के साथ उनकी लंबे समय से अदावत चल रही है। सच यह है कि कांग्रेस के उन नेताओं जो उनकी हमेशा ही मुखाफलत करते रहे हैं को यह समझने की जरूरत है कि विश्वसनीयता न तो खरीदी जा सकती है न मुफ्त में मिलती है। पार्टी हाई कमान ने अगर उन्हें इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है तो यह उनकी विश्वसनीयता पर पक्की मोहर लगाने वाली ही है। और उनकी निष्ठा तथा पार्टी के प्रति समर्पण भाव के कारण ही यह संभव हो सका है। राजनीति के वर्तमान दौर में किसी भी नेता के लिए अपनी छवि को बेदाग बनाए रखना बहुत मुश्किल हो गया है। देश में 28 राज्य हैं और इस 16 सदस्यीय समिति में हर राज्य को प्रतिनिधित्व नहीं दिया जा सकता है उत्तराखंड जैसे छोटे राज्य के एक नेता को अगर इस समिति में शामिल किया गया है तो यह उनकी कुछ खास विशेषताओं के कारण ही किया गया होगा। लेकिन प्रीतम सिंह के सामने भी कब अपनी कर्तव्य निष्ठा के साथ काम करने की बड़ी चुनौती होगी।

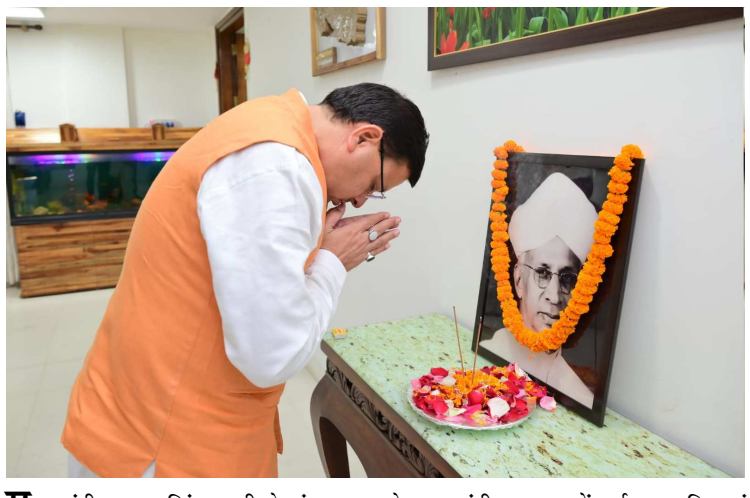

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास में पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद्, भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती पर उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान से समाज हमेशा प्रेरित होगा। उन्होंने 'शिक्षक दिवस' की सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी।

एवा ह्यसि वीरयुरेवा शूर उत स्थिर:।
एवा ते राध्यं मन:।।
(ऋग्वेद ८-९२-२८)

हे प्रभु ! तुम शूरवीरों के भी शूरवीर हो। तुम वीरों को सम्मान प्रदान कराते हो। तुम स्थिर मन के मनुष्यों को भी सम्मान प्रदान कराते हो। इसलिए हम तुम्हारी आराधना करते हैं।

शिक्षक दिवस पर किया विचार गोष्ठी का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

नरेन्द्रनगर। भारतीय संस्कृति धर्म, ज्ञान और सत्य पर आधारित है जो कि प्रत्येक प्राणी को सच्चा संदेश देती है इस बात की सच्चाई डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन भली भांति जानते थे यह विचार प्राचार्य प्रोफेसर राजेश कुमार उभान ने आज राधा कृष्णन के 136 वें जन्मदिन पर शिक्षक दिवस के अवसर पर कॉलेज परिवार को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

उल्लेखनीय है कि आज शिक्षक दिवस के अवसर पर धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय स्टाफ क्लब द्वारा कॉलेज स्तर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें कॉलेज के प्राध्यापक और कर्मचारियों ने राधाकृष्णन के ज्ञान एवं दर्शन पर प्रकाश डाला तथा शिक्षक के रूप में कार्य करने के नये संकल्प लिये।

प्राध्यापक प्रोफेसर आशुतोष शरण ने राधाकृष्णन के भारतीय दर्शन एवं उसमें विद्यमान चेतना की समझ को दृष्टांत देकर उपस्थित जनों की समक्ष अपने विचार व्यक्त किये ।

डॉ विक्रम सिंह बर्त्वाल ने प्राचीन गुरुओं के दर्शन एवं अन्वेषण की चर्चा करते हुए कहा कि आंतरिक विकास का चरम मोक्ष की खोज प्राचीन भारतीय गुरुओं की देन है ,उन्होंने जीवन में अद्भुत रूपांतरण की क्षमता एवं विकास का मूल गुरु के ज्ञान को बताया। डॉ जितेंद्र नौटियाल ने डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन वृतांत एवं कार्यों को उपस्थित जनों के समक्ष रखा ।

प्रधान सहायक शूरवीर दास ने गुरु का दर्जा ईश्वर से ऊंचा बताया इस अवसर पर उन्होंने एक देशभक्ति गीत ही गया।

इससे पूर्व कॉलेज प्राचार्य एवं कॉलेज परिवार द्वारा राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर डॉ सपना कश्यप ,डॉ सूचना सचदेवा, डॉ सुधा रानी, डॉ नताशा, डॉ सोनी तिलारा,डॉ ज्योति शैली, डॉ बीपी पोखरियाल, डॉ इमरान अली, डॉ हिमांशु जोशी ,डॉ संजय कुमार, डॉ चेतन भट्ट ,डॉ राकेश नौटियाल, डॉ विजय प्रकाश आदि प्राध्यापक एवं अजय पुंडीर ,मुनेंद्र ,शिशुपाल रावत के अलावा बड़ी संख्या में शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा राजपाल रावत एवं छायांकन विशाल त्यागी ने किया।

लघु व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष बने राजकुमार एंथोनी

संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापार संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपडा ने संगठन का जिला अध्यक्ष राजकुमार एंथोनी व महामंत्री रणवीर सिंह को बनाया।

आज यहां फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों का मात्रा एक संगठन लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने संगठन का विस्तार करते हुए जिला अध्यक्ष राजकुमार जिला महामंत्री रणवीर सिंह ,विकास सक्सेना जिला कोषाध्यक्ष दिलीप कुमार गुप्ता जिला उपाध्यक्ष सचिन राजपूत ,विजेंद्र चौधरी ,लाल चंद गुप्ता ,आजम अंसारी जिला संगठन मंत्री पंडित कमल शर्मा सदस्य प्रिंस साहू ,सुनील कुमार, वीरेंद्र सिंह, किशन कांत पाल, धर्मपाल संरक्षक महेंद्र

सैनी,हंसराज अरोड़ा, वीरेंद्र चौहान को नियुक्त किया। नियुक्त किए गए सभी पदाधिकारियों को प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा द्वारा अंग वस्त्र देकर फूल माला पहनाकर सार्वजनिक तौर पर अभिनंदन व स्वागत किया।

इस अवसर पर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष राजकुमार ने कहा संगठन की मजबूती के लिए सभी गली मोहल्ले सर्वजनिक पार्किंग स्थल इत्यादि क्षेत्रों में रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को संगठन में शामिल कर हरिद्वार के विकास कार्यों में अग्रिम रखने के लिए जन जागरण अभियान किए जाएंगे।

जिला कार्यकारिणी गठन कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ लघु व्यापारी नेता जय भगवान ने की संचालन प्रदेश महामंत्री मनोज मंडल ने किया।

विभागों में आपसी समन्वय होगा तो जनता होगी कम परेशान!

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन के चौ. ओमवीरसिंह तथा सुशील त्यागी द्वारा करते हुए मुख्यसचिव, एडीबी, जलसंस्थान, जिलाधिकारी तथा गेल के अधिकारियों को एक पत्र लिखा गया है। जिसमें बताया गया है की उपभोक्ताओ को पाइप से सीधे गैस पहुंचाने हेतु गेल द्वारा देहराखास,बंजारावाला, हरिद्वार रोड के क्षेत्र मे स्थित गलियो मे सड़कों पर खुदाई की जानी है। एडीबी की योजना में सीवरेज लाइन के कनेक्शनो को घरों को जोड़ने का कार्य भी अधूरा है। दोनों विभागों में आपसी समन्वय की अभाव में एक ही सड़क की खुदाई बार-बार की जाएगी। इससे आमजन को होने वाली दिक्कतों

को रोकने हेतु जरूरी होगा कि यह कार्य साथ-साथ किए जाएं जिससे सरकारी बजट के दुरुपयोग को भी रोका जा सकेगा।

पत्र में सुझाव दिया गया है की जिला मजिस्ट्रेट देहरादून की अध्यक्षता में गैस अथॉरिटीज,एडीबी,जल संस्थान, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी विभागों के अधिकारियों की एक समन्वय समिति का गठन तत्काल कराकर गैस तथा सीवर कनेक्शन को जोड़ने का कार्य युद्ध स्तर पर पहले कराया जाए। इसके बाद ही सड़कों का निर्माण कराया जाना उपयुक्त होगा।

बढती महंगाई के खिलाफ माकपा ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

डोईवाला। बढती महंगाई, बेरोजगारी के खिलाफ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने प्रदर्शन कर उपजिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां बेहताशा बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारी एवं आपदा से प्रभावितों को राहत देने आदि की मांग को लेकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी नें डोईवाला तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन कर उप जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को भेजा ज्ञापन। प्रदर्शनकारियों को सम्बोधित करते हुए माकपा के जिला सचिव राजेंद्र पुरोहित नें कहा कि पूरे देश की भांति उत्तराखण्ड प्रदेश मे भी खाद्य पदार्थो सहित सभी वस्तुओं के दाम चरम सीमा पर है, पढ़ा लिखा नौजवान बेरोजगारी के चलते सड़कों पर घूम रहा है लेकिन प्रदेश सरकार को कोई सुध नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार गरीबी को दूर करने, बढ़ती मंहगाई को कम करने और बेरोजगार युवकों को रोजगार देने के नाम से चुनाव मे वोट लेकर सत्ता मे पहुंची लेकिन गरीबी तों दूर गरीबों को ही हटाना शुरू कर दिया और अतिक्रमण के नाम पर उनके घरों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें बेघर करने पर लगी हैं। माकपा जिला कमेटी सदस्य याकूब अली नें सरकार से मांग करते हुए कहा कि इस वर्ष प्रदेश मे भारी वर्षा के कारण आयी आपदा मे काफी लोग प्रभावित हुए है जिसमे काफी मकान और भूमि कटाव से जमीने बह गयी उनको राहत की बहुत आवश्यकता है ऐसे लोगों को चिन्हित कर हर सम्भव उनकी मदद की जाये तथा भूमि कटाव को रोकने के लिये सोंग, सुसवा एवं जाखन नदी पर जहाँ भूमि कटाव हुआ है वहाँ अबिलम्ब पुस्ते लगाए जाये। उन्होंने कहा सरकारी अथवा ग्राम समाज की भूमि पर रहने वाले लोगों को नियमित कर सरकार उनको मालिकाना हक दें तथा अतिक्रमण के नाम पर गरीबों को उजाड़ना बंद करें। प्रदर्शन कारियों को मुहम्मद इकराम, ज्योति गुरुंग,, रानी देवी, जगिरी राम नें भी सम्बोधित किया। ज्ञापन देने वालों मे मुख्य रूप से सत्य प्रकाश, साधु राम, सर्वेश, बसन्ति देवी,दरसो देवी, जगिरी लाल, शहाबुद्दीन, दिनेश क्षेत्री सहित कई लोग उपस्थित हुए।

मजार तोडने की वीडियो वायरल करने पर तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मजार तोडने की वीडियो वायरल करने पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमनगर थाना प्रभारी पीडी भट्ट ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि एक वीडियो के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई की गडरिया मोहल्ला ठाकुरपुर रोड टी स्टेट थाना प्रेमनगर में एक पुरानी मजार जिसमे साई बाबा की फोटो भी थी जिसको राधा धोनी सेमवाल व उनके अन्य साथियों द्वारा तोड़ा गया है और उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला गया है। पुलिस उप महानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि किसी को भी जनपद में सांप्रदायिक सौहार्द खराब करने की इजाजत नहीं है यदि किसी व्यक्ति द्वारा जनपद में शांति व्यवस्था व सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने का प्रयास किया जाएगा तो उसके विरुद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई जनपद में सांप्रदायिक सौहार्द व शांति व्यवस्था बिगड़ने का प्रयास कर रहा है तो ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध आमजन द्वारा संबंधित चौकी थाना व पुलिस अधिकारीयो को सीधे सूचना दी जा सकती है ऐसे सभी व्यक्तियों की पहचान पूर्ण रुप से गोपनीयता रखी जाएगी व सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों की गतिविधियों व कार्यों पर पुलिस द्वारा सतर्क दृष्टि रखी जा रही है।

भाजपा अध्यक्ष के आरोप चुनावी हार की बौखलाहटः करन माहरा

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा ने कहा कि बागेश्वर उप चुनाव में भाजपा अध्यक्ष महेन्द्र भटट द्वारा केन्द्रीय पर्यवेक्षक पर लगाये गये आरोप भाजपा की चुनावी हार की बौखलाहट है। आज यहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट द्वारा केन्द्रीय चुनाव पर्यवेक्षक राजेश कुमार पर लगाए गये आरोपों को भाजपा की चुनावी हार की बौखलाहट बताया है। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य में भाजपा की सरकारें हैं तथा वरिष्ठ आईएएस अधि कारी की पर्यवेक्षक के रूप में केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा नियुक्ति की गई है फिर भी वे भाजपा को कांग्रेस पार्टी के एजेंट नजर आ रहे हैं जो कि हास्यास्पद है। उन्होंने कहा कि बागेश्वर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अपनी आसन्न हार से इतना भयभीत है कि उन्हें केन्द्रीय चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी संदेह हो रहा है तथा वे अधिकारियों पर कांग्रेस कार्यकर्ता होने का अनर्गल एवं हास्यास्पद आरोप लगा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट द्वारा मुख्य निर्वाचन अधिकारी से की गई केन्द्रीय पर्यवेक्षक राजेश कुमार की शिकायत को झूठी एवं मनगढ़ंत बताया है।

शिक्षक दिवस

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

आज का दिन हम सब शिक्षक दिवस या टीचर्स डे के रूप में मना रहे हैं। इस दिन हम अपने अध्यापकों और गुरुओं का सम्मान करते हैं। कई शिष्य इस मौके पर अपने अध्यापकों के लिए अनेक तरह के उपहार लेकर जाते हैं। कोई ग्रीटिंग कार्ड बनाकर लेकर जाते हैं तो कोई कुछ अन्य उपहार। इस तरह वे उनके प्रति अपनी श्रद्धा और आभार प्रकट करते हैं।

इस संसार में जब भी हमारे बच्चे यदि कोई विषय सीखना चाहते हैं तो वे एक ऐसे अध्यापक के पास जाते हैं जो उसमें निपुण हो। हम सभी यह अच्छी तरह जानते हैं कि एक अध्यापक की बच्चों के जीवन में बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। उनके मार्गदर्शन में बच्चा न केवल पढ़ना–लिखना सीखता है बल्कि भविष्य में बढ़ा होकर उन्हें क्या बनना है? इसकी जानकारी भी उन्हें अध्यापक के द्वारा ही मिलती है। इसी प्रकार यदि हम अपने आपको आध्यात्मिक रूप से विकसित करना चाहते हैं तो उसके लिए हमें वक्त के किसी पूर्ण गुरु के चरण–कमलों में जाना होगा क्योंकि एक पूर्ण सत्गुरु अध्यात्म के विषय में निपुण होते हैं। इस धरती पर हर समय कोई न कोई पूर्ण सत्गुरु अवश्य मौजूद होते हैं, जो हमें ध्यान–अभ्यास के द्वारा अपने अंतर में मौजूद प्रभु–सत्ता के साथ जुड़ने में हमारी मदद करते हैं। प्रभु की सत्ता किसी न किसी मानव शरीर के माध्यम से अवश्य कार्य करती है। जब हम उनके पास जाते हैं तभी

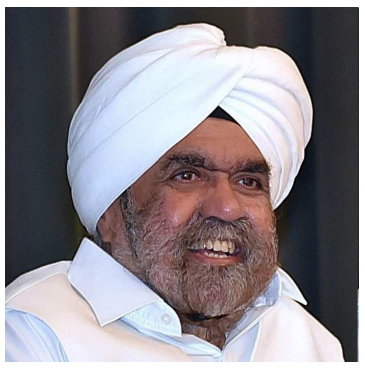

हमें पता चलता है कि चौरासी लाख जियाजून में केवल मानव चोले में ही हम अपनी आत्मा का मिलाप पिता–परमेश्वर से करवा सकते हैं, जोकि मानव जीवन का मुख्य उद्देश्य है। वो हमें समझाते हैं कि पिता–परमेश्वर प्रेम के महासागर हैं, हमारी आत्मा उनका अंश होने के नाते प्रेम है और पिता–परमेश्वर को पाने का ज़रिया भी प्रेम ही है। एक अध्यापक के अंदर शिष्य के जीवन को बदल देने की शक्ति होती है। यदि अध्यापक ऐसे छात्रों को पढ़ाता है जिनमें सदाचार की कमी होती है तो वो उनको धीरे–धीरे सदाचारी व्यक्ति में बदल देता है। यही काम एक सत्गुरु करते हैं। वे काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार से भरे दुःखी इंसानों को अपनाते हैं और उनको ऐसे इंसानों में बदल देते हैं जो अहिंसा, पवित्रता, नम्रता, सच्चाई, निःस्वार्थ भाव और प्रेम से भरे हुए हों। वे ऐसा कैसे करते हैं? वे यह सब प्रभु–प्रेम की शक्ति से करते हैं। वे न केवल आंतरिक अनुभव को पाने की विधि के बारे में हमें समझाते हैं बल्कि व्यक्तिगत तौर पर उसका हमें अनुभव भी देते हैं क्योंकि केवल बातें करने से या पढ़ने से हम अध्यात्म नहीं सीख सकते। यह केवल व्यक्तिगत अनुभव से ही सीखा जा सकता है और वो अनुभव हमें केवल एक पूर्ण सत्गुरु ही प्रदान कर सकता है। इसलिए हमें एक पूर्ण गुरु की शरण में जाना चाहिए। ऐसे सत्गुरु जब हमें दीक्षा अथवा नामदान देते हैं तो वे हमें ध्यान–अभ्यास की विधि सिखाते हैं। वे हमें बताते हैं कि हम अपने ध्यान को दो भ्रूमध्य आँखों के बीच एकाग्र करें, जिसे 'शिवनेत्र' भी कहा गया है। जैसे–जैसे हम ध्यान–अभ्यास समय देते हैं तो हम अपने अंदर प्रभु की ज्योति और श्रुति का अनुभव करते हैं, जिससे कि हमारे जीवन में एक बदलाव आता है। हम अपने अंदर शांति और प्रेम का अनुभव करते हैं। जिस प्रकार एक अध्यापक का कार्य बच्चों को शिक्षा के ज़रिये उनकी इच्छा के अनुसार दुनियावी मकसद तक पहुँचाना होता है।

ठीक उसी प्रकार एक सत्गुरु भी प्रेम के ज़रिये पिता–परमेश्वर से जुदा हुई रूहों को उनके निजधाम सचखंड पहुँचा देते हैं। तो आईये! आज के दिन हम न सिर्फ अपने अध्यापकों का सम्मान करें बल्कि हम अपने आध्यात्मिक गुरुओं के प्रति भी आभार प्रकट करें क्योंकि उनके द्वारा ही हम इस जन्म–मरण के चक्र से मुक्ति पाकर पिता–परमेश्वर में लीन हो सकते हैं। ऐसे पूर्ण सत्गुरुओं को कोटि–कोटि वंदन।

पत्रावलियों को समयबद्ध निस्तारण करें: डीएम

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने जनसुनवायी के दौरान सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों एवं पत्रावलियों को समयबद्ध निस्तारण करें पत्रावलियां लम्बित न रखी जाएं।

आज यहां जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में कुल 107 शिकायतें प्राप्त हुई। जिनमें अधिकतर शिकायतें भूमि सम्बंधी, अतिक्रमण एवं पारिवारिक विवाद से सम्बंधित प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त आर्थिक सहायता दिलाने, ईडबल्यू एस प्रमाण पत्र बनवाने, पीएमजीसीआई मुआवजा, बाढ़ सुरक्षा कार्यों विद्युत, पेयजल, वन विभाग, पीएमजीएसवाई आदि विभागों से संबंधित प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों एवं पत्रावलियों को समयबद्ध निस्तारण करें पत्रावलियां लम्बित न रखी जाएं। साथ सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया 1905 मुख्यमंत्री हेल्पलाईन पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण अपने स्तर से मॉनिटिरिंग करें। जनसुनवाई में सुसवा नदी से बाढ सुरक्षा कार्य कराने की शिकायत पर उप

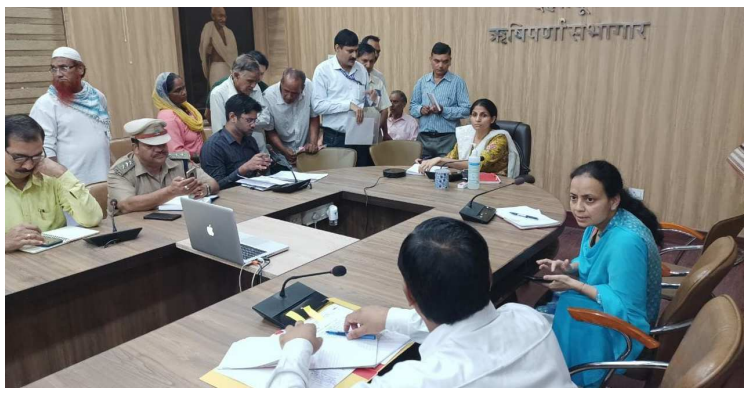

जिलाधिकारी डोईवाला को राजस्व, सिंचाई, वन विभाग को संयुक्त निरीक्षण कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। ऋषिनगर सहस्त्रधारा रोड सड़कों पर पेयजल बहने तथा घरों में पानी न आने की शिकायत पर जल संस्थान को त्वरित कार्यवाही करते हुए अवगत कराने के निर्देश दिए। जोहड़ी गांव में ग्राम सभा की भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत पर उप जिलाधिकारी सदर को कार्यवाही के निर्देश दिए।

सार्वजनिक स्थान पर कूड़ा एकत्रित होने की शिकायत पर नगर निगम को कार्यवाही के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अतिक्रमण की शिकायतों पर राजस्व, नगर निगम के अधिकारियों को अतिक्रमण चिन्हित करते हुए अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। डोभाल चौक के समीप रास्ता रोककर अतिक्रमण किये जाने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने राजस्व एवं पुलिस के अधिकारियों को मौके पर निरीक्षण करते हुए अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट प्रत्युष सिंह, उप नगर आयुक्त नगर निगम देहरादून गोपाल राम बिनवाल, निदेशक ग्राम्य विकास अधिकारी विक्रम सिंह, उप जिलाधिकारी मुख्यालय शालिनी नेगी, उप जिलाधिकारी सदर नंदन कुमार, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी राजेन्द्र विराटिया, अधि. अभि विद्युत राकेश कुमार, एआईजी स्टाम्प संदीप कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी आर एस रावत, जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट, तहसीलदार सदर मौहम्मद शादाब सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

असहमत मंचों की मुसीबत

बीते मार्च से पहले के सात महीनों में ही करीब 400 संस्थानों की विदेशी चंदा लेने संबंधी अनुमति को निलंबित कर दिया गया था। ऐसी कार्रवाइयां 2014 से शुरू हो गई थीं। तब से अब तक अनेक छोटे या बड़े नाम सरकारी कोप का निशाना बन चुके हैं।

वर्तमान सरकार के शासनकाल में विपक्षी नेताओं के खिलाफ सरकारी एजेंसियां की विवादित कार्रवाइयां और प्रेस की स्वतंत्रता पर हमले की चर्चा खूब रही है। कई विदेश संस्थानों ने भारतीय लोकतंत्र को खतरे में बताया है, भारतीय समाज को आंशिक रूप स्वतंत्र घोषित कर दिया है और प्रेस फ्रीडम इंडेक्स पर भारत लगातार नीचे गिरता गया है। लेकिन इसी दौर में जो एक और क्षेत्र सरकार के निशाने पर रहा है, वह थिंक टैंक और गैर सरकारी संस्थाओं का है। ऐसे जो संस्थान सरकार से असहमत रहे हैं, उसकी नीतियों का विरोध करते रहे हैं या जिन्होंने ऐसी रिपोर्टें तैयार की हैं, उन पर कई तरफ से सरकार का डंडा पड़ा है। उनके लिए विदेशी चंदा के रास्ते बंद या संकुचित कर दिए गए हैं और उन्हें इतने नियमों-विनियमों में फंसा दिया गया है कि सैकड़ों की संख्या में ऐसी संस्थाएं बंद हो चुकी हैं, अथवा उन्होंने अपनी गविधियों को बेहद सीमित कर दिया है। हाल के वर्षों में इस तरह के कदम कई संस्थानों के खिलाफ उठाए गए हैं।

इस वर्ष मार्च में एक अखबार में छपी एक रिपोर्ट में बताया गया था कि उसके पहले के सिर्फ सात महीनों में ही करीब 400 संस्थानों विदेशी चंदा लेने संबंधी अनुमति (केएफसीआरए) को रद्द या निलंबित कर दिया गया था। कई संस्थानों की ऐसी अनुमति के रिन्यूअल की अनुमति नहीं दी गई है या उनके लाइसेंस को समाप्त मान लिया गया है। इस क्रम में निशाने पर आया हालिया सबसे बड़ा नाम सेंटर फॉर पालिसी रिसर्च (सीपीआर) का है। सीपीआर का कहना है कि उसकी फंडिंग के रास्ते बंद कर दिए जाने के बाद 80 विशेष और कर्मचारी संस्थान को छोड़ कर जा चुके हैं। फरवरी में सीपीआर का विदेश से चंदा लेने का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया था। सीपीआर से बड़े नाम जुड़े रहे हैं, लेकिन यह बात उसके काम नहीं आई है। वैसे जब एमनेस्टी इंटरनेशनल और ऑक्सफेम जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को भारत में अपने दफ्तर बंद करने पड़े और उनके पक्ष में कोई आवाज नहीं उठी, तो अहसमति के मंच बनी भारतीय संस्थाएं किसी सहायता की उम्मीद शायद ही कर सकती हैं।

शरद पवार को अब रिटायर होने की नसीहत!

एनसीपी के सुप्रीमो शरद पवार अनुभवी हैं, महाराष्ट्र जैसे राज्य के चार बार मुख्यमंत्री रहे हैं, केंद्र में मंत्री रहे हैं, हर पार्टी में उनके शुभचिंतक हैं, बहुत चतुर राजनेता हैं लेकिन उनकी असली ताकत क्या है? पवार की असली ताकत कॉरपोरेट के साथ संपर्क हैं। वे देश के संभवतः इकलौते बड़े राजनेता हैं, जो खुलेआम गौतम अडानी से मिलते हैं। नरेंद्र मोदी की भी अडानी के साथ हवाई सफर करते हुए तस्वीर थी, जिसे राहुल गांधी ने संसद में दिखाया था लेकिन वह पुरानी बात हो गई।

पिछले छह महीने से कम समय में गौतम अडानी दो बार शरद पवार से उनके घर पर मिलने गए। यह पवार की ताकत है कि मुकेश अंबानी से लेकर रतन टाटा और गौतम अडानी तक उनके घर जाते हैं। देश के कॉरपोरेट की बड़ी इच्छा रही है कि शरद पवार देश के प्रधानमंत्री बनते। लेकिन अब लगता है कि उनका मोहभंग हो रहा है।

जिस समय शरद पवार विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की मुंबई में होने वाली बैठक के लिए प्रेस कांफ्रेंस कर रहे थे उसी समय देश के जाने-माने कॉरपोरेट लीडर डॉक्टर साइरस पूनावाला ने उनके अभियान को पंक्चर कर दिया। पूनावाला ने कहा कि पवार को अब रिटायर हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दो बार मौका था, जब पवार प्रधानमंत्री बन सकते थे और प्रधानमंत्री बनने पर वे देश के लिए अच्छा काम करते लेकिन अब उनकी उम्र हो गई है और सेहत साथ नहीं दे रही है इसलिए उनको संन्यास ले लेना चाहिए।

वैक्सीन बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी सीरम इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया के संस्थापक 82 साल के डॉ. पूनावाला ने अपनी भी मिसाल दी और कहा कि मेरी तरह ही पवार भी उम्रदराज हो गए। बिल्कुल यही बात अजित पवार ने भाजपा के साथ जाने के बाद पवार के लिए कही थी। हालांकि तब पवार की पार्टी ने इसका बड़ा विरोध किया था।

अब सवाल है कि क्या किसी योजना के तहत पवार को उम्र और सेहत का हवाला देकर रिटायर होने के लिए मजबूर किया जा रहा है? क्या इस खेल में नेता और कॉरपोरेट दोनों शामिल हैं? जो हो पवार कम से कम अगले लोकसभा चुनाव तक रिटायर नहीं होने जा रहे हैं। पर इतना जरूर है कि पूनावाला ने उनकी महत्वाकांक्षाओं के गुब्बारे में पिन चुभो दिया है।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

क्या आप भी करते हैं सोशल मीडिया का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल ?

क्या आप भी उन लोगों में से हैं जो सोशल मीडिया का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, तो अब आपको सावधान हो जाने की जरूरत है क्योंकि यह संकेत देता है कि आप इन्फ्लेमेशन की समस्या से जूझ रहे हैं और जब यह इन्फ्लेमेशन बढ़ जाती है तो कई गंभीर रोगों को भी पैदा कर सकती है। ऐसा हम यूं ही नहीं कह रहे हैं बल्कि एक नई रिसर्च से पता चला है की जो लोग इन्फ्लेमेशन से पीड़ित होते हैं, वह दोस्तों और परिवार के साथ बातचीत करने की उम्मीद में सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताते हैं।

ये है सोशल मिडिया एडिक्शन का नुकसान : जब भी कोई इंसान बीमार होता है, तो वह घर पर रहकर अपना समय बिताता है, लेकिन इस समय लोग सोशल मीडिया का सबसे ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। अब यही बात स्टडी में भी साबित हुई है कि जो लोग सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा समय बिताते हैं वह इन्फ्लेमेशन की समस्या से परेशान हो सकते हैं।

क्या कहती है नई रिसर्च :मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और जब भी वह बीमार होता है या घायल होता है तो ऐसे लोगों की तलाश करता है, जिससे वह अपना दर्द बांट सके, इसलिए इन्फ्लेमेशन या किसी बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति को सोशल मीडिया की बहुत तलब होती है। न्यूयॉर्क की यूनिवर्सिटी ऑफ बफेलो में कम्युनिकेशन प्रोफेसर ने एक रिसर्च की जिसमें पाया गया कि जब शरीर सूजन और अन्य बीमारियों को ठीक करने में असहाय महसूस करता है, तो लोग अपने फोन को देखने में अधिक समय बिताते हैं, ताकि वह अपने दोस्तों और परिवार से बात कर सकें।

शरीर में क्यों होती है सूजन की समस्या : इन्फ्लेमेशन या सूजन की समस्या शरीर में आम होती है लेकिन जब यह इन्फ्लेमेशन बहुत ज्यादा बढ़ जाती है या लंबे समय तक बनी रहती है, तो कई बीमारियों को जन्म देती है। इससे ऑटोइम्यून डिजीज का खतरा होता है, इतना ही नहीं ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज, फेफड़ों के रोग जैसे अस्थमा की समस्या भी इन्फ्लेमेशन के कारण हो सकती है। (आरएनएस)

कुकिंग ऑइल खरीदते समय रखें ध्यान

खाना पकाने के लिए कुकिंग ऑइल की जरूरत पड़ती ही है, लेकिन अब बाजार में इतने तरह के तेल मिलने लगे हैं कि समझ ही नहीं आता कि आखिर कौन सा तेल लिया जाए। कई बार तो लोग सिर्फ चर्चित विज्ञापन के चक्कर में कोई कुकिंग ऑइल खरीद लेते हैं, लेकिन यह तेल के चुनाव का सही तरीका नहीं है। हमें बता रहे हैं कुछ काम के पॉइंट्स जो आपको सही कुकिंग ऑइल चुनने में मदद करेंगे।

मार्केट में मिलने वाले तेलों का अलग-अलग स्वाद होता है, आपको क्या पकाना है इसके अनुसार अपने तेल का चुनाव करें। उदाहरण के लिए पास्ता अगर बनाना है तो उसके लिए सबसे उपयुक्त ऑलिव ऑइल होगा। इसी तरह पराठे सेंकने के लिए रिफाइन्ड तेल सही रहता है और बात हो तड़का लगाने की तो उसके लिए स्वाद के लिहाज से सरसों का तेल अच्छा माना जाता है।

तल का स्मोक पॉइंट वह होता है जिस पर वह गरम होने पर जलने लग जाता है और वह डीग्रेड हो जाता है। यह शरीर के लिए अच्छा नहीं होता। ऐसे में इस पॉइंट का भी ख्याल रखते हुए तेल खरीदना चाहिए। उदाहरण के लिए अगर आपको चीजें फाई करनी है तो इसके लिए हाई स्मोक पॉइंट वाला तेल बेस्ट रहेगा।

ओमेगा 6 और ओमेगा 3 शरीर के लिए अच्छे माने जाते हैं। ये दोनों खाने के तेल में मौजूद होते हैं। हालांकि, ज्यादा ओमेगा 6 और कम ओमेगा 3 का बैलेंस कई दिक्कतें भी पैदा कर सकता है। ऐसे में कोशिश करें कि आप ऐसे तेल लें जिसमें इनका बैलेंज बेहतर हो।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -031

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. टुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

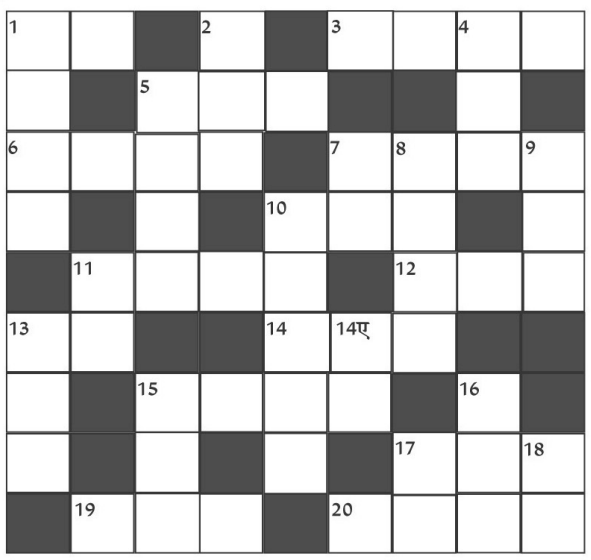

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 30 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		दी		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

कंटेस्टेंट्स की आवाज दिल को छूना यानी मुझे जीत लेने जैसा है : नीति मोहन

नैनोवाले ने और इश्क वाला लव जैसे अपने बॉलीवुड हिट ट्रैक के लिए जानी जाने वाली सिंगर नीति मोहन, जो सा रे गा मा पा 2023 में जज के रूप में नजर आ रही हैं, ने कहा कि अगर किसी कंटेस्टेंट्स की आवाज मेरे दिल को छूती है, तो इसका मतलब है कि उन्होंने मुझे जीत लिया।

सिंगिंग रियलिटी शो सा रे गा मा पा में हिमेश रेशमिया, नीति मोहन, अनु मलिक जज और आदित्य नारायण होस्ट हैं। नीति इस शो के लिए कोई अजनबी नहीं हैं, इससे पहले वह 2022 में सा रे गा मा पा लिटिल चैंप्स में जज के रूप में काम कर चुकी हैं।

नीति ने कहा, जब मैं किसी को सुन रहा होती हूं, तो मैं उसे खुले दिमाग से सुनती हूं क्योंकि वे सभी अपनी जड़ों, ट्रेनिंग, जिस तरह का म्यूजिक उन्होंने सुना है, वहां से कुछ न कुछ लेकर आते हैं। अगर किसी की आवाज मेरे दिल को छूती है, तो इसका मतलब तुमने मुझे जीत लिया। अगर आपके पास कुछ ऐसा है, जिसके बारे में आप बिल्कुल आप हैं, तो आपका व्यक्तित्व मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। और, यह आपको यूनिक बनाता है। नीति ने कहा, अगर आप किसी की तरह लगते हैं, और आपने केवल वही आवाज सुनी है, और आप बस उस एक आवाज की तरह दिखना चाहते हैं, तो मुझे लगता है कि हमें उन्हें अधिक सिंगर्स, विभिन्न प्रकार के म्यूजिक सुनने के लिए मार्गदर्शन करना होगा, इसलिए कि आप अधिक प्रकार का संगीत करने में सक्षम हो। यह महत्वपूर्ण है अन्यथा आपके पास केवल वही शैली रहेगी, जो शायद आपको इस करियर में बहुत आगे तक नहीं ले जाएगी। शो के साथ अपने जुड़ाव के बारे में 43 वर्षीय सिंगर ने कहा, यह वह शो था, जो मैंने तब देखा था जब मैं एक छोटी लड?ी थी, जो सिर्फ देखती और सीखती थी। इसलिए यह एक आइकोनिक शो है और सारेगामा जैसे शो में शामिल होना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है, जो लाखों लोगों को संगीत में अपना करियर बनाने के लिए प्रेरित करता है। पिछले साल, बच्चों को जज करना बहुत अद्भुत था, जिस तरह की प्रतिभा के बारे में हमने सुना, वह बहुत आशाजनक थी। उनका भविष्य बहुत उज्ज्वल है। हमने शंकर महादेवन और अनु मलिक के साथ बहुत अच्छा अनुभव किया। सीनियर्स को जज करना बहुत अलग है, क्योंकि वे बहुत सारी विशेषज्ञता लेकर आते हैं। मुझे लगता है कि नई आवाज़ें सुनना जरुरी है। मुझे यह पसंद है। सह-जज हिमेश और अनु के साथ अपने रिश्ते पर नीति ने कहा कि उनके मन में उन दोनों के लिए बेहद प्यार और सम्मान है। उन्होंने कहा, वे बहुत उत्साही लोग हैं, वे जो करते हैं उसके बारे में भावुक हैं, वे नए सिंगर्स के परफॉर्मेंस के बारे में भावुक हैं, और मुझे उन्हें यह देखने में आनंद आता है कि वे नई प्रतिभाओं से कितने प्रेरित हैं। हम एक बहुत ही खुशनुमा और मजेदार शो बनाने की कोशिश करते हैं, जिसमें बहुत सारी प्रतिभाएं हों और अच्छा गायन हो। सा रे गा मा पा का नया सीजन जी टीवी पर प्रसारित हो रहा है।

जवान के ट्रेलर में दमदार एक्शन करते नजर आए शाहरुख खान

जवान इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार है। खासतौर से शाहरुख खान के प्रशंसक इस फिल्म का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।फिल्म में दक्षिण भारतीय सिनेमा के कई शानदार कलाकार अपनी मौजूदगी दर्ज कराने वाले हैं। इस वजह से न सिर्फ बॉलीवुड, बल्कि साउथ के दर्शक भी इसकी राह देख रहे हैं।पिछले काफी समय से फिल्म के ट्रेलर का इंतजार किया जा रहा था, जो अब आखिरकार खत्म हो गया है।

फिल्म के ट्रेलर में शाहरुख के अलग-अलग अवतार नजर आ रहे हैं।फिल्म में उनके 5 अलग-अलग लुक देखने को मिलेंगे। ट्रेलर देख लगता है कि फिल्म में शाहरुख अपने खूंखार किरदारों और अवतारों से सबके रोंगटे खड़े करने वाले हैं।इसके अलावा जहां उनके दमदार डायलॉग ध्यान खींच रहे हैं, वहीं उनका जबरदस्त एक्शन और कुछ दिल दहला देने वाले सीन भी इसकी रिलीज को लेकर उत्सुकता बढ़ाते दिख रहे हैं।विजय सेतुपति और नयनतारा भी प्रभावित करते हैं। फिल्म का ट्रेलर देख तो यही लग रहा है कि जवान भी पठान की तरह पैसा वसूल होगी। शाहरुख की दमदार आवाज भी इसमें ध्यान खींचती है। इसके अलावा एक्शन, ड्रामा, थ्रिल ट्रेलर में सब देखने को मिल रहा है। इस फिल्म को यू/ए सर्टिफिकेट दिया गया था। निर्माताओं को फिल्म में 7 बदलाव करने के लिए कहा गया। अब तक रिलीज हुए जवान की सभी झलकियों और गानों पर लोगों ने खूब प्यार लुटाया है। इसे शाहरुख के करियर की सबसे महंगी फिल्म बताया जा रहा है। इस फिल्म को लगभग 300 करोड़ रुपये की लागत में बनाया जा रहा है।दावा किया गया है कि जवान शाहरुख की अब तक की सबसे महंगी फिल्म है। जवान इस साल की सबसे बड़ी एक्शन एंटरटेनर फिल्मों में से एक होगी। ऐसे में फिल्म के निर्माताओं ने दर्शकों को कुछ नया और जबरदस्त दिखाने के लिए 6 बेहतरीन एक्शन निर्देशकों को इसका हिस्सा बनाया, जिनकी छत्रछाया में दुनियाभर की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों के एक्शन सीक्वेंस फिल्माए जा चुके हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, जवान में बाइक, ट्रक और कार के अलावा भी कई तरह के एक्शन और स्टंट सीन होंगे, जो बेहद ही रोमांचक होंगे।

जवान का निर्देशन एटली ने किया है। फिल्म में काम कर रहे कलाकार भी दमदार हैं। इसमें शाहरुख के अलावा नयनतारा और सेतुपति मुख्य भूमिकाओं में हैं, वहीं दीपिका पादुकोण, सान्या मल्होत्रा, संजय दत्त, रिद्धि डोगरा, सुनील ग्रोवर और थलापति विजय भी इसका हिस्सा हैं।इस फिल्म का निर्माण शाहरुख की प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है। यह फिल्म 7 सितंबर, 2023 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी।

सालार में होगा यश का धांसू कैमियो

केजीएफ की दो कडियों से पूरे भारत में अपनी अलग पहचाने बनाने वाले अभिनेता यश इन दिनो नितेश तिवारी द्वारा बनाई जाने वाली फिल्म रामायण को लेकर चर्चाओं में हैं। बताया जा रहा है कि तिवारी ने यश को इस फिल्म में रावण की भूमिका निभाने के लिए सम्पर्क किया। इन यश का लुक टेस्ट किया जा रहा है। हालांकि अभी तक यह आधिकारिक नहीं हो पाया है कि यश रावण बनेंगे या नहीं। लेकिन अब यश को लेकर जो चर्चा हो रही है वह यह है कि केजीएफ निर्देशक प्रशांत नील उन्हें अपनी अगली फिल्म सालार में कैमियो भूमिका में लेकर आने वाले हैं।

जिस वक्त से इस मूवी का ऐलान हुआ था, तभी से चर्चा है कि ये मूवी निर्देशक प्रशांत नील के केजीएफ यूनिवर्स का हिस्सा होगा। अब इन खबरों को और पुख्ता करते हुए सामने आई ताजा जानकारी भी कुछ यही इशारा दे रही है। रिपोर्ट की मानें तो फिल्म स्टार प्रभास के साथ सालार में सुपरस्टार यश भी नजर आने वाले हैं। मिली जानकारी के मुताबिक इस मूवी में प्रभास के साथ यश की धांसू एंट्री होगी। वो इस फिल्म में एक दमदार कैमियो करते दिखेंगे। जानकारी के मुताबिक सालार में यश का 5 मिनट का कैमियो होगा। जो केजीएफ 2 और सालार की दुनिया को मिलाने का काम करेगा। याद दिला दें कि सालार की मुहूर्त पूजा के दौरान भी प्रभास के साथ निर्देशक प्रशांत नील की पिछली फिल्म केजीएफ सीरीज के हीरो यश भी पहुंचे थे। इस दौरान यश और प्रभास ने मिलकर तस्वीरें भी क्लिक करवाई थी। तभी से फैंस के बीच इन दोनों सितारों को ऑन स्क्रीन देखने का उत्साह बना हुआ है। अगर ये रिपोर्ट्स सही निकलती हैं तो यश और प्रभास एक साथ सिल्वर स्क्रीन पर तबाही मचाते दिखेंगे।

फिल्म स्टार यश ने केजीएफ 2 जैसी ब्लॉकबस्टर मूवी देने के बाद अभी तक अपनी अगली फिल्म का ऐलान नहीं किया है। जिसकी वजह से फैंस में यश की अगली फिल्म को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। यश की अगली फिल्मों को लेकर कई तरह की रिपोर्ट्स आई हैं मगर किसी पर भी आधिकारिक मुहर नहीं लगी है। (आरएनएस)

राम पोथिनेनी की स्कंद का ट्रेलर आउट

प्रसिद्ध निर्देशक बोयापति श्रीनु, जो अपनी ब्लॉकबस्टर अखंडा के लिए जाने जाते हैं, स्कंद के साथ वापस आ गए हैं, जिसमें राम पोथिनेनी और श्रीलीला मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म ने सिनेप्रेमियों के बीच अपार प्रत्याशा पैदा कर दी है, और निर्माताओं ने हाल ही में नाटकीय ट्रेलर का अनावरण किया है।

ट्रेलर बोयापति के ट्रेडमार्क एक्शन दृश्यों और प्रभावशाली संवादों से परिपूर्ण है। राम अपने सामूहिक अवतार में प्रभावशाली ढंग से तेलंगाना भाषा का उच्चारण करते हुए दिखाई देते हैं। ट्रेलर के अंत में राम पोथिनेनी का आश्चर्यजनक परिवर्तन देखा जा सकता है।

ऐसा लगता है कि बोयापति ने पारिवारिक भावनाओं के साथ शक्तिशाली कार्रवाई का संयोजन करते हुए अपनी विशिष्ट शैली पेश की है। उत्पादन मूल्य सराहनीय हैं. हालांकि ट्रेलर कथानक का विस्तार से खुलासा नहीं करता है, लेकिन यह बड़े पैमाने पर तत्वों की मजबूत उपस्थिति का संकेत देता है।

फिल्म में सई मांजरेकर भी अहम भूमिका में हैं। श्रीनिवास चित्तूरी के पर्याप्त बजट द्वारा समर्थित, श्रीनिवास सिल्वर स्क्रीन बैनर के तहत, स्कंद ज़ी स्टूडियो साउथ और पवन कुमार द्वारा प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म 15 सितंबर को रिलीज होने वाली है। (आरएनएस)

कांतारा 2 फिल्म 2024 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी

कन्नड़ फिल्म स्टार ऋषभ शेट्टी के डायरेक्शन में ही बनी उनकी ब्लॉकबस्टर मूवी कांतारा के प्रीक्वल को लेकर एक दिलचस्प जानकारी हाथ लगी है। खबर है कि साउथ सिनेमा के जाने-माने स्टार और डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी ने अपनी अपकमिंग मूवी कांतारा 2 के बजट में भारी बढ़ोतरी कर दी है। जिसके बाद फिल्म इंडस्ट्री में खासी हलचल बढ़ गई। वर्ल्डवाइड करीब 400 करोड़ रुपये कमा लेने के बाद कांतारा के प्रीक्वल का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इस मूवी का ऐलान कांतारा के ब्लॉकबस्टर होते ही कर दिया गया था। जिसके साथ ही मूवी प्री-प्रोडक्शन में चली गई थी। मूवी के हिट होते ही निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने प्रीक्वल की स्क्रिप्ट तैयार करनी शुरू कर दी थी। अब इस फिल्म जल्दी ही शूटिंग स्टेज पर पहुंचने वाली है।

प्राप्त समाचारों के अनुसार ऋषभ शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म कांतारा के प्रीक्वल की शूटिंग इसी साल नवंबर महीने से शुरू हो जाने वाली है। कांतारा-2 में निर्माता-निर्देशक इस फिल्म के पहले की कहानी दिखाने वाले हैं। जिसे लेकर अभी से ही लोग उत्सुक हैं। सबसे बड़ी हैरानी इसी बात को लेकर है। रिपोर्ट्स की मानें तो कांतारा 2 को पहले से भी 'यादा भव्य और विशाल बनाने के लिए निर्माता-निर्देशकों ने इस मूवी के प्रीक्वल पर मोटा खर्च करने की तैयारी की है। लेटेस्ट रिपोर्ट्स के मुताबिक कांतारा 2 के लिए निर्माताओं ने पूरा 125 करोड़ रुपये बजट रखा है। जो कांतारा की मेकिंग कॉस्ट से कहीं 'यादा है। इससे पहले निर्देशक ऋषभ शेट्टी की मूवी कांतारा को मेकर्स ने कुल 20 करोड़ रुपये के ही बजट में बनाया था। मात्र 20 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड स्तर पर करीब 400 करोड़ रुपये कमा डाले थे। अकेले हिंदी बेल्ट में ही बिना किसी बज के ये मूवी 80 करोड़ से 'यादा की रकम कमा ले गई थी। यही वजह है कि मूवी के दूसरे पार्ट के लिए हिंदी दर्शक भी उत्सुक हैं। लोगों के इस प्यार को देखते हुए निर्माता-निर्देशक फिल्म की मेकिंग में कोई कोर-कसर नहीं छोडना चाहते। कांतारा की सफलता को लेकर निर्माता निर्देशक अभिनेता ऋषभ शेट्?टी पूरी तरह से आश्वस्त नजर आ रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि कांतारा-2 बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ का कारोबार करने में सफल हो सकती है। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए इसका बजट इतना बढ़ा दिया गया है। (आरएनएस)

नए संविधान की बात पर विवाद क्यों?

अजीत द्विवेदी

भारत के संविधान में सौ बार से ज्यादा संशोधन हो चुके हैं। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में जैसे ही संविधान समीक्षा या उस पर विचार करने या नया संविधान बनाने की बात होती है वैसे ही विवाद शुरू हो जाता है। जाने माने आर्थिक जानकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार समिति के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय ने एक लेख लिख कर यह विचार जाहिर किया कि अब संविधान को बदलने का समय आ गया है। उन्होंने देयर इज अ केस 'फॉर वी द पीपल' टु एंब्रेस अ न्यू कॉन्स्टिट्यूशन शीर्षक से अंग्रेजी के अखबार 'द मिंट' में लेख लिखा। इसमें उन्होंने कहा कि भारत में एक नया संविधान अपनाने का आधार दिख रहा है और इस बारे में विचार किया जाना चाहिए।

उनके इतना कहते ही देश के लोगों का एक बड़ा समूह उनके ऊपर टूट पड़ा। सोशल मीडिया में उनको गिरफ्तार करने की मांग शुरू हो गई। कहा जाने लगा कि वे संविधान विरोधी हैं और संविधान को नष्ट करना चाहते हैं। हैरानी की बात यह है कि ऐसा कहने वाले ज्यादातर लोग सेकुलर और उदार लोकतांत्रिक व्यवस्था में यकीन करने वाले लोग हैं। ऐसे लोग जिनको लगता है कि भाजपा के मौजूदा राज में लोकतंत्र खत्म हो रहा है और वाक व अभिव्यक्ति की आजादी छीनी जा रही है वे सब कहने लगे की देबरॉय की जुबान बंद की जाए। सोचें, यह कैसी हिप्पोक्रेसी है?

इस समूह ने देबराय का इतना ज्यादा विरोध किया कि उनको कहना पड़ा कि यह लेख उन्होंने निजी हैसियत से लिखा है और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति का इससे कोई लेना देना नहीं है। इससे पहले सन 2000 की फरवरी में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने संविधान समीक्षा आयोग का गठन किया था और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस एमएन वेंकटचलैया को उसका अध्यक्ष बनाया था। आयोग में सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज जस्टिस बीपी जीवन रेड्डी, जस्टिस आरएस सरकारिया, लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप, हाई कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस के पुन्नैया, भारत सरकार के पूर्व अटॉर्नी जनरल के परासरन, लोकसभा के पूर्व स्पीकर पीए संगमा और जाने-माने कानूनविद् सोली सोराबजी सहित 10 सदस्य बनाए गए थे।

ध्यान रह उस समय देश में गठबंधन की सरकारों का दौर था और केंद्र से लेकर राज्यों तक राजनीतिक अस्थिरता थी। उसका हवाला देकर वाजपेयी ने कहा था कि केंद्र और राज्य, दोनों जगहों पर स्थायित्व की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इसके अलावा उन्होंने सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए लोगों की आकांक्षाओं का हवाला भी दिया था। क्षेत्रीय व सामाजिक असंतुलन को खत्म करने के लिए नई व्यवस्था बनाने की जरूरत भी बताई थी। और साथ ही यह भी स्पष्ट किया था कि संविधान समीक्षा आयोग मौजूदा संविधान के बुनियादी ढांचे और इसके आदर्शों व मूल भावनाओं से कोई छेड़छाड़ नहीं करेगा। विपक्ष का ने यह कहते हुए इसका विरोध किया कि भाजपा संविधान बदल कर अपनी पसंद का संविधान बनाना चाहती है। इस आधार पर विपक्ष ने इस आयोग में शामिल होने से इनकार कर दिया।

इस बार बिबेक देबरॉय ने 23 साल के बाद उन्हीं तर्कों के आधार पर कहा है कि भारत में नए संविधान की जरूरत है। उन्होंने बदली सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक परिस्थितियों का हवाला दिया है और साथ ही पिछले 73 साल में संविधान में हुए बदलावों का भी हवाला दिया है। उन्होंने कहा है कि भारत की जनता ने 1950 में जो संविधान अपनाया था, मौजूदा संविधान वैसा ही नहीं रह गया है। इसमें एक सौ से ज्यादा संशोधन हुए हैं। उनका मानना है कि सारे संशोधन सिर्फ अच्छे के लिए नहीं हुए हैं। याद करें इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी के समय जो संशोधन कराए थे। हालांकि बाद में मोरारजी देसाई की सरकार ने उनमें से ज्यादातर प्रावधानों को वापस बहाल कर दिया था। देबरॉय ने नए संविधान की जरूरत पर जोर देते हुए यह भी कहा है कि सुप्रीम कोर्ट का 1973 का बेसिक स्ट्रक्चर वाला फैसला मौजूदा संविधान में संशोधन पर लागू होता है, नए संविधान के ऊपर नहीं। देबरॉय ने अपनी बात को मजबूती देने के लिए 'यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो लॉ स्कूल' के एक अध्ययन का हवाला दिया है और कहा है कि उसने कई देशों के लिखित संविधानों का अध्ययन किया, जिससे पता चला कि उनकी औसत आयु सिर्फ 17 साल रही है। जबकि भारत में 1950 में अपनाया गया संविधान अब 73 साल का हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा है कि भारत का संविधान काफी हद तक गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 पर आधारित है। इस तरह यह भी उपनिवेश के दिनों से जुड़ा है। बिबेक देबरॉय ने सन 2000 में हुए प्रयास की याद दिलाई है लेकिन साथ ही कहा है कि उस समय जो प्रयास हुआ था वह आधे अधूरे मन से किया गया था। पिछले दिनों आईपीसी, सीआरपीसी और इविडेंस एक्ट में बदलाव के जो तीन बिल आए हैं उनकी ओर इशारा करते हुए देबरॉय ने अपना निष्कर्ष बताया और कहा- कानूनी बदलाव के कई पहलुओं की तरह, यहां-वहां कुछ बदलाव करने से बात नहीं बनेगी। हमें इस बात पर विचार करना होगा कि 2047 में भारत को कैसे संविधान की जरूरत है। हम लोगों को एक नया संविधान बनाना होगा।

अब सवाल है कि अगर बिबेक देबरॉय ने नया संविधान बनाने की जरूरत बताई तो इस पर इतनी हायतौबा मचाने की क्या जरूरत है? अभी कोई नया संविधान नहीं बन रहा है। अभी विचार के स्तर पर एक बात आई है। इस पर वस्तुनिष्ठ तरीके से चर्चा होनी चाहिए कि मौजूदा समय और परिस्थितियों के मुताबिक देश को नए संविधान की जरूरत है या नहीं। अगर नहीं है तो नया संविधान नहीं बनेगा। लेकिन अगर जरुरत है तो बनाया जाना चाहिए। मुश्किल यह है कि बिबेक देबरॉय के विचार का विरोध बहुत सतही और कुछ हद तक राजनीतिक कारणों से किया जा रहा है। यह कहा जा रहा है कि देबरॉय के जरिए सरकार ने एक पत्थर उछाल कर प्रतिक्रिया देखने का प्रयास किया है। यह डर दिखाया जा रहा है कि सरकार संविधान को बदल कर राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की विचारधारा वाला संविधान ला देगी। विरोध का एक बड़ा आधार यह है कि इस संविधान को डॉ. भीमराव अंबेडकर ने बनाया है, जिसे सरकार बदलना चाहती है। सोचें, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने बनाया है इसलिए इसे हमेशा सीने से चिपकाए रखना है चाहे वह कितना भी अप्रासंगिक क्यों न हो जाए? हालांकि भारत का संविधान अप्रासंगिक नहीं हुआ है लेकिन डॉक्टर अंबेडकर के नाम वाले तर्क का अर्थ यही है कि कुछ भी हो जाए इसे नहीं बदला जा सकता। महात्मा गांधी की बात बदली जा सकती है, पंडित नेहरू का किया बदला जा सकता है लेकिन डॉक्टर अंबेडकर का किया नहीं बदला जा सकता है, यह एक नए किस्म का नस्लवाद है, जिसे वोट की राजनीति के नाम पर बढ़ावा दिया जा रहा है। डॉक्टर अंबेडकर का नाम लेकर समाज के दलित, पिछड़ों, वंचितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों को यह डर दिखाया जा रहा है कि संविधान में उनको जो समानता का अधिकार मिला है या आरक्षण का अधिकार मिला है वह छीन लिया जाएगा। जबकि हकीकत यह है कि मौजूदा या किसी भी सरकार में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह आरक्षण को हाथ लगा दे। उलटे सारी सरकारें आरक्षण बढ़ाने में लगी हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने भी गरीब सवर्णों को आरक्षण देकर 10 फीसदी आरक्षण बढ़ा दिया।

इस विचार का विरोध इस आधार पर भी हो रहा है कि इतिहास में अपना नाम दर्ज कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नया संविधान लाना चाहते हैं। जैसे उन्होंने नई संसद भवन बनवाई या नए कानून बनवा रहे हैं उसी तरह नया संविधान बनाएंगे। यह भी कहा जा रहा है कि नए संविधान के जरिए संसदीय प्रणाली को बदल कर अध्यक्षीय प्रणाली को लागू कर दिया जाएगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कई बदलावों में सरकार की मंशा संदिग्ध है। फिर भी ये सारे खतरे अनुमानित हैं, जिनका कोई ठोस आधार नहीं है। देश की आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक परिस्थितियां बदली हैं। दुनिया बदली है। आबादी की संरचना बदली है। इन बदली परिस्थितियों में बिबेक देबरॉय के सुझाव पर वस्तुनिष्ठ तरीके से विचार किया जाना चाहिए।

सू- दोकू क्र.031

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.30 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

कूटनीति भी है चुनाव का औजार

हरिशंकर व्यास

पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू से लेकर मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी को कूटनीति का चस्का रहा है। सारे प्रधानमंत्री घरेलू नीतियों के साथ साथ विदेश नीति को भी साधने और दुनिया में अपना नाम बनाने का प्रयास करते रहे हैं। इसके हवाले फिर चाहे नेहरू हों या वाजपेयी और मनमोहन सिंह या मोदी सबने किसी न किसी रूप में कूटनीति का राजनीतिक और चुनावी इस्तेमाल भी किया है। वाजपेयी की लाहौर की बस यात्रा रही हो या मनमोहनसिंह की परमाणु संधि इन सबका चुनाव में इस्तेमाल हुआ और पार्टियों को फायदा मिला। अब नरेंद्र मोदी कूटनीति का राजनीतिक इस्तेमाल कर रहे हैं। उनका हर विदेश दौरा एक मैसेज लिए होता है। मिसाल के तौर पर वे दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स देशों का सम्मेलन अटेंड करने के बाद यूनान गए तो प्रचार का सारा फोकस इस बात पर रहा कि 40 साल के बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री यूनान गया है और यूनान वह देश है, जो तुर्किये का विरोधी है और तुर्किये वह देश है, जिसने कश्मीर पर पाकिस्तान का साथ दिया था। सो, यूनान को ब्रह्मोस देने की बात भी भारत और पाकिस्तान के संबंधों और कश्मीर के साथ जुड़ गए। इस किस्म के नैरेटिव भारतीय मीडिया में हर विदेश यात्रा में बनते हैं।

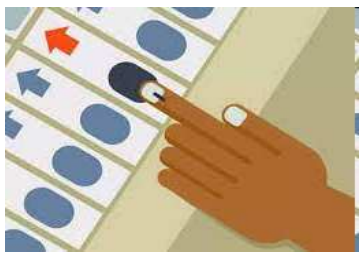

दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में प्रधानमंत्री ब्रिक्स देशों के सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होने सर्वानुमति में ब्रिक्स के विस्तार का समर्थन किया। इससे ठीक पहले प्रधानमंत्री ने लाल किले से अपने 10वें भाषण में कहा था कि जिस तरह से दूसरे महायुद्ध के बाद एक नई विश्व व्यवस्था बनी थी उसी तरह कोरोना के बाद एक नया वर्ल्ड ऑर्डर बन रहा है, जिसमें भारत का स्थान प्रमुख है। ब्रिक्स सम्मेलन से पहले से ही प्रचार था कि ग्लोबल साउथ के देश भारत को अपना नेता मान रहे हैं। जोहान्सबर्ग में प्रधानमंत्री ने जो बातें कहीं वह उसी लाइन पर थी। उन्होंने भारत को विश्व का ग्रोथ इंजन बताया। ब्रिक्स के विस्तार पर सहमति जताई और नए सदस्य देशों को भारत का पुराना दोस्त बताया। इस तरह ब्रिक्स की कूटनीति का जो मैसेज बना वह यह था कि अमेरिका और यूरोप के संगठनों के बरक्स एक नया संगठन बन रहा है, जिसका नेतृत्व भारत कर रहा है।

अनन्या पांडे ने फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर

अनन्या पांडे इन दिनों अपनी फिल्म ड्रीम गर्ल 2 को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस जमकर अपनी फिल्म का प्रमोशन कर रही हैं। उनके लेटेस्ट लुक की बात करें तो अनन्या पांडे ने इंस्टाग्राम पर अपना स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक शेयर किया है। डेनिम ऑफ शोल्डर टॉप और जींस में अनन्या बेहद ग्लैमरस लग रही हैं।

अनन्या पांडे ने इंस्टाग्राम पर अपना स्टाइलिश लुक शेयर किया है। इंटरनेट पर अनन्या पांडे के इस अवतार को काफी पसंद किया जा रहा है। अनन्या पांडे ने ब्लू कलर की डेनिम ड्रेस में बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। अनन्या पांडे ने इस आउटफिट के साथ लाइट मेकअप कैरी किया हुआ है। खुले बालों में अनन्या बेहद बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

अनन्या पांडे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम अक्सर अपनी बोल्ड फोटो शेयर करती रहती हैं। अनन्या पांडे का इंस्टाग्राम उनकी स्टनिंग और सिजलिंग फोटो से भरा हुआ है।

अनन्या पांडे का करियर इन दिनों काफी अच्छा चल रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार अनन्या पांडे को कई बड़ी फिल्मों के लिए ऑफर आ रहे हैं।(आरएनएस)

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को विधानसभा में विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खण्डूड़ी भूषण से शिष्टाचार भेंट की।

शिक्षक दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। शिक्षक दिवस पर दून योगपीठ के दोनों केन्द्रों में आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी के पावन सानिध्य में शिक्षक दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। जोशी ने कहा हमारी पहली शिक्षक माता, दूसरे पीता, फिर शिक्षा गुरु हैं, इस अवसर पर योग शिक्षकों को अंगबस्त्र, पुष्प और पैन भेंट किए गए। हाथीबड़कला केंद्र में केक भी काटा गया। इस अवसर पर योगाचार्य दीपिका खंतवाल, गीता जोशी,योग शिक्षक विनय कुमार, योग शिक्षिका विमला देशवाल, योग शिक्षिका अभिलाषा, योगाचार्य गीता परिहार , योग साधक सुनील देशवाल आदि उपस्थित रहे।

महानगर कांग्रेस ने भानु के निधन पर शोक सभा कर आत्मा की शान्ति की प्रार्थना की

संवाददाता

देहरादून। पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा के पुत्र अभिनंदन शर्मा भानु के निधन पर महानगर कांग्रेस ने शोक सभा रख आत्मा की शान्ति के लिए मौन रखा।

आज यहां कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा के पुत्र अभिनन्दन शर्मा के निधन पर महानगर कांग्रेस ने शोक सभा आयोजित की और मृत आत्मा की शान्ति के लिए मौन रखा। डॉ जसविन्दर सिंह गोगी ने बताया कि इस दुखद घटना के कारण सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी शोकाकुल हैं अत: शिक्षक दिवस सहित महानगर कांग्रेस के आज के सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। महानगर कांग्रेस इस दुखद घड़ी में शर्मा परिवार के साथ खड़ी है। इस मौके पर मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन मथुरा दत्त जोशी, सुनील जायसवाल, डॉ अरुण रतूड़ी, अभिषेक तिवारी, सूरज क्षेत्री, रॉबिन त्यागी, शिवा वर्मा, संजय गौतम, लक्की राणा, मनोज पंत सज्जाद अंसारी, रवि हसन, सैय्यद जमाल, अशोक कुमार, अरुण बलूनी आदि उपस्थित थे।

बालाजी सेवा समिति ने अभिनंदन शर्मा के निधन पर किया शोक व्यक्त

संवाददाता

देहरादून। श्री श्री बालाजी सेवा समिति ने पूर्व कांग्रेस महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा के पुत्र अभिनंदन शर्मा (भानु) के निधन पर शोक व्यक्त किया।

आज देहरादून महानगर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष लालचंद शर्मा के सुपुत्र अभिनंदन शर्मा (भानु) का दिल्ली अपोलो हॉस्पिटल में आकस्मिक निधन हो गया है। भानु काफी लोकप्रिय व समाज सेवी एव आमजन की मदद व सम्मान करने वाले व्यक्ति थे। ईश्वर उनकी पवित्र आत्मा को शांति प्रदान करे व परिवार जनों को इस गहरे दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। प्रभु दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें। ओम शांति ओम।

उत्पीडन के खिलाफ बार एसोसिएशन ने किया एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। अधिवक्ताओं पर उत्पीडन के खिलाफ बार एसोसिएशन ने एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा।

आज यहां बार एसोसिएशन के बैनर तले अधिवक्ता एसएसपी कार्यालय पर एकत्रित हुए। जहां पर उन्होंने बार एसोसिएशन अध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा के नेतृत्व में प्रदर्शन कर एसएसपी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि 29 अगस्त को हापुड में अधिवक्ताओं द्वारा किये जा रहे शान्तिपूर्ण धरने में पुलिस द्वारा जबरदस्त लाठी चार्ज किया गया व न्यायालय परिसर के अन्दर घुसकर अधिवक्ताओं के चैम्बरों में अधिवक्ताओं को बेदर्दी से पीटा गया जिसमें कई अधिवक्ता गम्भीर रूप से घायल हुए हैं। बार एसोसिएशन देहरादून हापुड में हुए पुलिस द्वारा अधिवक्ताओं पर हुए बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज की निन्दा करती है। उन्होंने कहा कि बार एसोसिएशन देहरादून के अधिवक्ताओं पर देहरादून पुलिस द्वारा उत्पीडन के मामले आये दिन बढते जा रहे हैं। पुलिस का व्यवहार अधिवक्ताओं के प्रति अपमानजनक व निराशाजनक है जबकि अधिवक्ता एक कोर्ट आफिसर होता है। पुलिस जांच के न ाम पर आए दिन अधिवक्ताओं को पूछताछ के लिए बुलाकर परेशान करती है। जिससे अधिवक्ताओं की समाज में छवि धूमिल होती है। पुलिस द्वारा एक भय का वातावरण तैयार किया जा र हा हे जिससे अधिवक्ता समाज में बहुत अधिक रोष है।

बार एसोसिएशन देहरादून उत्तराखण्ड की सबसे बडी बार एसोसिएशन हे इसकी सम्पूर्ण प्रदेश में अपनी गरिमा है जिस गरिमा को पुलिस द्वारा गलत तरीके से खण्डित करने का प्रयास किया जा रहा है जिसको बार एसोसिएशन कभी भी सहन नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा कि बार एसोसिएशन देहरादून रजिस्ट्री घोटाला, क्लैक्ट्रेट रिकार्ड रूम घोटाले की सीबीआई जांच की मांग करती है। उन्होंने मांग की है कि पुलिस द्वारा अधिवक्ताओं का उत्पीडन तत्काल बंद किया जाये। प्रदर्शन करने वालों में पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष मनमोहन कण्डवाल, राजबीर सिंह बिष्ट, भानु प्रताप सिसौदिया, कपिल अरोडा, ललित भण्डारी, आर एस भारती, दीपक कुमार, अजय त्यागी, महेन्द्र अरोडा, विजय भूषण पाण्डे आदि लोग शामिल थे।

धीरेंद्र प्रताप ने अभिनंदन के निधन पर शोक व्यक्त किया

देहरादून (सं)। उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप ने देहरादून कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लालचंद शर्मा के पुत्र अभिनंदन के असामयिक के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। धीरेंद्र प्रताप ने कहा है कि अभिनंदन बहुत ही कम आयु के थे और उनके लीवर फेल होने से उनकी आसमिक मृत्यु ना केवल लाली भाई के परिवार को गहरा शोक और वेदना दे गई है बल्कि संपूर्ण कांग्रेस परिवार में अभिनंदन की मृत्यु से शोक की लहर फैल गई है। धीरेंद्र प्रताप ने बताया तीन दिन पहले ही वह स्वयं अपने पुत्र के साथ दिल्ली के अपोलो हॉस्पिटल में अभिनंदन के स्वास्थ्य की जानकारी लेने गए थे। परंतु अचानक ही आज विधाता ने उन्हें हमसे छीन लिया। उन्होंने लालचंद शर्मा के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा की शोक में देहरादून और उत्तराखंड के तमाम लोग शामिल हैं और ईश्वर से उनकी प्रार्थना है कि वह उन्हें इस भारी दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

पेंटर ने ही की थी रिटायर्ड एसडीएम के घर चोरी, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। रिटायर्ड एसडीएम के घर में हुई लाखों के आभूषण चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को चुराये गये आभूषणों व नगदी सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कुछ समय पूर्व ही रिटायर्ड एसडीएम के घर में पेंट का काम कर चुका था।

जानकारी के अनुसार सुशीला रावत पत्नी सुरेन्द्रपाल सिहं रावत निवासी सी41 जज फार्म द्वारा थाना मुखानी में तहरीर देकर बताया गया था कि उनके घर में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है तथा चोर उनके घर से लाखों के जेवरात व नगदी चुरा ले गये है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरो की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद आज सुबह उक्त चोर को क्रियाशाला रोड से गिरफ्तार कर लिया गया। जिसकी निशानदेही पर पुलिस ने उसके पास से चुराये गये लाखों के जेवरात व एक हजार की नगदी भी बरामद की गयी है। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम धर्मेन्द्र कश्यप पुत्र मुन्ना लाल कश्यप निवासी पंचशील कॉलोनी पीलीकोठी थाना मुखानी हल्द्वानी बताया। बताया कि वह पहले उक्त घर में पेन्टर का काम कर चुका था इसलिए उसे घर की पूरी जानकारी थी। जिस कारण उसने चोरी की उक्त घटना को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार आरोपी शातिर किस्म का व्यक्ति है जो पहले भी कई आर्म्स एक्ट सहित कई आरोपो में जेल की हवा खा चुका है। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

बीएस नेगी महिला पॉलीटेक्निक में नि:शुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण का शुभारंभ

संवाददाता

देहरादून। बीएस नेगी महिला पॉलीटेक्निक में नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण का शुभारम्भ किया गया।

आज यहां बीएस नेगी महिला पॉलीटेक्निक की छात्राओं हेतु एक माह का नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं को एमएस ऑफिस का प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष हर्षमणि व्यास, प्रधानाचार्य श्रीमती नमिता मंमगाई, एचएस जोशी, विजय जुयाल, विनायक शर्मा स्वामी, समस्त शिक्षक, छात्राएं व एनआईआईटी फाउंडेशन के प्रोग्राम मैनेजर भरत शर्मा व उनकी टीम के सदस्य

विकास तथा सादिक अहमद ट्रेनर आदि उपस्थित रहे। भरत शर्मा ने बताया कि इंडस टावर के सीएसआर के अन्तर्गत एनआईआईटी फाउंडेशन द्वारा संचालित डिजीटल ट्रांसफार्मेशन वैन के माध्यम से यह प्रशिक्षण कराया जाता है जिसमें छात्राओं को बेसिक कम्प्यूटर कोर्स, एमएस आफिस तथा साइबर सिक्योरिटी कोर्स करवाये जाते हैं। यह वैन सोलर सिस्टम से संचालित होती है।

प्रशिक्षण के सफल समापनके उपरांत छात्राओं को सर्टिफिकेट प्रदान किये जाते हैं जो एनआईआईटी फाउंडेशन द्वारा मान्यता प्राप्त होते हैं।

एक नजर

शाहरुख खान ने तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए

मुंबई। अभिनेता शाहरुख खान, उनकी बेटी सुहाना खान और अभिनेत्री नयनतारा ने तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए। बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान इन दिनों अपकमिंग मूवी श्जवानश को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की सक्सेस के लिए वो कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। प्रमोशन से लेकर भगवान तक की शरण में जा रहे हैं। पहले वो माता वैष्णो देवी के दरबार में जम्मू पहुंचे थे और अब वो आंध्र प्रदेश के तिरुपति पहुंचे हैं, जहां उन्होंने श्री वेंकटेश्वर मंदिर के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। एक वीडियो सामने आया है और उसमें पता चला है कि 5 सितंबर को शाहरुख खान ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर का भी दौरा किया है लेकिन इस बार वो अकेले नहीं थे। इस दौरान उनके साथ जवान की एक्ट्रेस नयनतारा, सुहाना खान, मैनेजर पूजा ददलानी और निर्देशक विग्नेश शिवन थे। वीडियो में शाहरुख खान ने धोती और कुर्ता पहना हुआ है। इस लुक के साथ वो तिरुपति मंदिर में प्रार्थना करने के लिए पहुंचे थे। सुहाना और नयनतारा ने सफेद सलवार सूट पहना हुआ था और काफी अच्छी लग रहीं थी।

सेब से लदा वाहन पलटा एक की मौत, दो गम्भीर घायल

हमारे संवाददाता

देहरादून। चकराता से सेब लादकर ला रहे एक वाहन के अनियंत्रित होकर पलटने से जहां चालक की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं वाहन में सवार दो अन्य लोग गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां से उन्हे हायर सेन्टर रैफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार चकराता से सेब लादकर जा रहा एक पिकअप वाहन कोरवा बैंड के पास अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पिकअप में चालक सहित तीन लोग सवार थे। इस हादसे में कालसी निवासी चालक दिनेश (27) पुत्र जगरू दास निवासी कालसी ग्राम सकनी की मौत हो गई जबकि सुनील (32) पुत्र सेवाराम व राकेश कुमार निवासी कालसी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों की गम्भीर स्थिति को देखते हुए उन्हें सहिया अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया व मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। चकराता थानाध्यक्ष कुलवन्त सिंह ने बताया देर रात एक सेब से लदा वाहन जो कि चकराता से विकासनगर की ओर जा रहा था अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से सभी लोगों को 108 वाहन द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साहिया पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दिनेश को मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर रूप से घायल सुनील व राकेश को हायर सेंटर रेफर किया गया है।

अज्ञात बदमाशों ने पर्यटक को चाकू से गोदा, गम्भीर हालत में दून रैफर

हमारे संवाददाता

देहरादून। पहाड़ो की रानी मसूरी में देर रात अज्ञात बदमाशों द्वारा लूट की नियत से दिल्ली के पर्यटक पर चाकू से हमला कर दिया गया। जिससे पर्यटक गम्भीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायल पर्यटक को अस्पताल पहुंचाया जहां उसकी हालत गम्भीर देखते हुए उसे दून रैफर कर दिया गया है। बदमाशों द्वारा पर्यटक के हाथ व गले पर चाकू से हमला किया गया है।

जानकारी के अनुसार दिल्ली से मसूरी घूमने आये पर्यटक जानी पुत्र कलमकोटी मसूरी के एक होटल में ठहरे थे। बताया जा रहा है कि कल देर शाम मसूरी गांधी चौक से लाइब्रेरी बस स्टेण्ड की तरफ घूमने के लिए निकले। कुछ दूर पैदल चलने के बाद अंधेरे की वजह से वह वापस होटल लौटने लगे। अभी वह कुछ दूर चले ही थे कि कुछ बदमाशों ने लूट की नियत से उन पर हमला बोल दिया। जब उन्होने उन्हे रोकने की कोशिश की तो उन्होने धारदार चाकू से उनके हाथ व गले पर चाकू मार दिया। हो हल्ला सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच कर घायल पर्यटक को अस्पताल पहुंचाया। जहां उनकी हालत गम्भीर देखते हुए उन्हे हायर सेटंर रैफर कर दिया गया है। वहीं इस मामले में जब मसूरी थानाध्यक्ष शंकर सिंह बिष्ट से बातचीत की गयी तो उन्होने बताया कि घायल पर्यटक डिस्प्रेशन में था तथा वह सुबह से होटल से बाहर भी नहीं निकला था। जिसके परिजन उसे वापस ले गये है। बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

मतदाताओं में दिखा भारी उत्साह, बागेश्वर में शांतिपूर्ण मतदान

विशेष संवाददाता

बागेश्वर। बागेश्वर उपचुनाव के लिए आज मतदान के दौरान मतदाताओं में भारी उत्साह देखा गया सुबह 7 बजे से ही मतदान केद्रो पर ठीक-ठाक भीड़ दिखाई दी सुबह 11 बजे तक ही 33 फीसदी के करीब लोग मतदान कर चुके थे जबकि यह मतदान प्रतिशत 1 बजे दोपहर तक 39 फीसदी के आसपास पहुंच गया समाचार लिखे जाने (3:00) बजे तक 48 फीसदी के आसपास लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे।

कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण चल रहे इस मतदान में उपचुनाव के बावजूद

भारी उत्साह लोगों में देखा गया। क्या युवा और वृद्ध, क्या पुरुष और क्या महिलाएं सभी वोट के लिए बड़ी संख्या में घरों से निकले। इस सीट पर 1लाख 18 हजार से अधिक मतदाता हैं। तथा पहले राज्य विधानसभा चुनाव को छोड़कर अब तक इस सीट पर चंदन रामदास जिनके निधन से यह सीट खाली हुई है लगातार चुनाव जीतते रहे थे। इस बार भी मुख्य मुकाबला भाजपा प्रत्याशी चंदन रामदास की पत्नी पार्वती रामदास और कांग्रेस प्रत्याशी बसंत कुमार के बीच ही है। हालांकि चुनाव मैदान में कुल पांच प्रत्याशी हैं।

चुनाव का जायजा लेने कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत तथा आईजी निलेश भरणे भी कंट्रोल रूम पहुंचे वहीं मतदान के दौरान कहीं से भी किसी भी गड़बड़ी की खबर नहीं है। अब 8 सितंबर को होने वाले मतगणना के बाद ही यह पता चल सकेगा कि बागेश्वर की बाजी किसके हाथ लगती है और जनता का यह उत्साह किसे विधानसभा तक पहुंचाता है।

डेंगू से बचाव के लिए व्यापक स्तर पर जागरुकता अभियान चलाया जाएः धामी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए सचिव मुख्यमंत्री/गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय को निर्देश दिये कि शीघ्र सचिव स्वास्थ्य एवं नगर निगम के अधिकारियों साथ बैठक कर डेंगू पर प्रभावी नियंत्रण की कार्यवाही की जाए।

उन्होंने कहा कि फॉगिंग की समुचित व्यवस्थाएं की जाए। अस्पतालों में डेंगू के मरीजों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डेंगू से बचाव के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाए। स्वच्छता का विषेष ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को भी निर्देश दिये हैं कि जिन क्षेत्रों में डेंगू के मामले बढ़ रहे हैं, ऐसे क्षेत्रों में लगातार सतर्कता अभियान चलाया जाए।

राज्य को 23 साल में भी...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

है मगर राज्य को कभी कोई स्थाई राजधानी और स्थाई विधान भवन मिलेगा इसकी संभावनाएं सौ-सौ कोस दूर भी नहीं दिखाई दे रही हैं।

एक तरफ देहरादून को स्मार्ट सिटी बनाया जा रहा है तथा राजधानी के सौंदर्यीकरण पर करोड़ों रूपये खर्च करने की बात हो रही है लेकिन उत्तराखंड को एक अदद स्थाई विधानसभा भवन कब मिलेगा और स्थाई राजधानी कब मिलेगी और पुराने विधान भवन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग को कब तक बाधित करने से मुक्ति मिलेगी जिससे लोगों की परेशानी का समाधान हो सके इन सवालों का जवाब सत्ता में बैठे किसी भी नेता के पास नहीं है।

कांग्रेस पूर्व महानगर अध्यक्ष को पुत्र शोक

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा के पुत्र अभिनंदन शर्मा (भानु) का लम्बी बीमारी के चलते देहांत हो गया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रार्थना सभा रख दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की है।

कांग्रेस पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा के ज्येष्ठ पुत्र अभिनंदन शर्मा (भानु) का लम्बी बीमारी के बाद दिल्ली के अपोलो अस्पताल में निधन हो गया। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने लालचंद शर्मा के ज्येष्ठ पुत्र अभिनंदन शर्मा (भानु) के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य , पूर्व अध्यक्ष व पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह, पूर्व अध्यक्ष गणेश गोदियाल पूर्व काबीना मंत्री नवप्रभात, उपाध्यक्ष संगठन मथुरादत्त जोशी, सुरेंद्र अग्रवाल, मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी, अमरजीत सिंह महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविंदर गोगी, शीशपाल सिंह बिष्ट, पूरन रावत, महेंद्र नेगी, मनीष नागपाल, नवीन जोशी, महावीर रावत, राजकुमार जायसवाल, शांति रावत, मोहन काला, अनुराग मित्तल, सुलेमान अली, अनूप पासी, सुनीता प्रकाश बहुखंडी, वीरेंद्र

पवार, ओम प्रकाश सती, श्याम सिंह चौहान, शरीफ अहमद बेग, विनोद चौहान, ललित भद्री ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं प्रकट की हैं। परिजनों को दारुण दुख सहने की शक्ति देने हेतु परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की है। 6 अगस्त को उनकी अंतिम यात्रा उनके राजपुर स्थित निवास से लक्खीबाग के लिए प्रस्थान करेगी।

वही राष्ट्रीय बाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के मीडिया प्रभारी विनोद घाघट ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के पूर्व महानगर अध्यक्ष (देहरादून) लालचन्द शर्मा के ज्येष्ठ पुत्र अभिनंदन शर्मा के अकास्मिक निधन की खबर सुनकर बहुत दु:ख हुआ। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान करें एवं शोकाकुल परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

भानु के निधन से हम लोगों ने एक होनहार नौजवान खो दिया हैः किशोर उपाध्याय

संवाददाता

देहरादून। विधायक किशोर उपाध्याय ने अभिनंदन शर्मा भानु के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए इसे समाज की अपूरणीय क्षति बताया।

आज यहां टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने अभिनंदन शर्मा भानु के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि बचपन से उसे खेलते-कूदते देखा। विनयशील, उज्ज्वल भविष्य की अनन्त संभावनाओं से लवरेज एक युवक का असमय निधन, जिसे बाल्यकाल से देखा हो, हृदय को विदीर्ण कर देता है। यह लाली भाई व उनके परिवार की ही नहीं समाज की अपूरणीय क्षति है। प्रभु दिवंगत की आत्मा को शान्ति और परिवार जनों को इस असहनीय दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।